Part I (भाग 1)

Lecture Notes

M.A. I

Sem I

Topic - Unit IV

Personality assessment

व्यक्तित्व मापन

Dr. Kumari Sadhana Prasad
Associate Prof.
Dept of Psychology

(1)

Q 168. Personality assessment / measurement (व्यक्तित्व मापन)

Ans: मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तित्व-मापन पर विशेष जोर दिया है। इसका उद्देश्य व्यक्तियों के विषय में जानकारी प्राप्त कर उन्हें वातावरण के साथ उपयुक्त अभियोजन में सहयोग देना है। इसलिए, किसी व्यक्ति को एक खास प्रकार के कार्य में लगाने से पहले उसके व्यक्तित्व की जाँच कर ली जाती है। जाँच करने से यह पता चल जाता है कि व्यक्ति किस कार्य को सफलतापूर्वक कर सकता है।

हमारे दैनिक जीवन की अनेक परिस्थितियों में व्यक्तित्व-माप की आवश्यकता पड़ती है। व्यापारिक प्रतिष्ठानों में सफल सेल्समैन, औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सही काम के लिए सही व्यक्ति का चुनाव करने, सेना के विभिन्न पदों पर तथा संवेदनशील कार्यों के लिए उपयुक्त व्यक्तित्व को छाँटने और योग्य व्यक्तियों का चयन करने, शैक्षणिक संस्थाओं में स्कॉलरशिप प्रदान करने एवं शैक्षणिक योग्यताओं के दृष्टिकोण से छात्रों के चयन आदि परिस्थितियों में व्यक्तित्व की जाँच अत्यन्त आवश्यक हो जाता है।

ये परिस्थितियाँ हमारे दैनिक जीवन के व्यावहारिक पक्ष हैं, यहाँ व्यक्तित्व की जाँच द्वारा व्यावहारिक उद्देश्यों की पूर्ति होती है।

व्यक्तित्व-मापन वैज्ञानिक अनुसंधानों के लिए भी उपयोगी है। वैज्ञानिक अनुसंधानों के लिए व्यक्तित्व-मापन एक प्रमुख विषय है। वैज्ञानिक अपने शोधों या अनुसंधानों द्वारा यह जानने की अभिरुचि रखते हैं कि क्या उम्र के साथ-साथ व्यक्तित्व में परिवर्तन होता है, क्या बालकों में कुछ ऐसे व्यक्तित्व-विशेषक या शीलगुण होते हैं, जिनके कारण वे एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं, क्या अभिन्न जुड़वों (identical twins) के व्यक्तित्व में स्पष्ट अंतर पाया जाता है, व्यक्तित्व के शीलगुण और सामाजिक आर्थिक स्तर (Socio-Economic Status — SES) में कैसा संबंध है, पितृविहीन परिवार के बालकों के व्यक्तित्व का विकास कैसा होता है इत्यादि इन प्रश्नों का उत्तर ढूँढने के लिए वैज्ञानिकों के लिए व्यक्तित्व की परख करना आवश्यक हो जाता है।

इसतरह व्यक्तित्व-मापन व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक (Practical & Scientific) दोनों उद्देश्यों से उपयोगी हैं।

व्यक्तित्व की जाँच के लिए मनोवैज्ञानिकों ने अनेक मापक बनाए हैं, जो उनके विभिन्न दृष्टिकोणों के अनुरूप हैं।

व्यक्तित्व-मापन के दृष्टिकोण (Approaches of Personality Measurement) :—

साधारणतः व्यक्तित्व मापन के विभिन्न दृष्टिकोणों को तीन वर्गों में बाँटा गया।—

(i) समग्र मूल्यांकन का दृष्टिकोण (Holistic Assessment approach)
(ii) शीलगुण दृष्टिकोण (Trait approach) (ii)
(iii) प्रक्षेपण जाँच का दृष्टिकोण (Projective test approach)

(i) समग्र मूल्यांकन का दृष्टिकोण (Holistic Assessment approach)—

इस दृष्टिकोण से सम्पूर्ण व्यक्ति का अध्ययन किया जाता है। अर्थात् इस दृष्टिकोण से जो मनोवैज्ञानिक किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व की परख करने में अभिरुचि रखते हैं, वे व्यक्तित्व के किसी खास पक्ष पर जोर न देकर व्यक्ति का समग्र रूप से मूल्यांकन करने पर जोर देते हैं। इस दृष्टिकोण से व्यक्तित्व-मूल्यांकन का सर्वप्रथम प्रयास जर्मन सैनिक मनोवैज्ञानिकों ने किया और तब ब्रिटिश सेना के मनोवैज्ञानिकों ने इसे बाद में चलकर उसी देश की एक सैनिक संस्था ऑफिस ऑफ दस्ट्रेटजिक सर्विसेज (Office of the Strategic Services — ASS) ने पिछले विश्वयुद्ध के जमाने में दुश्मनों की सैन्य शक्ति को दुर्बल करने और अपनी सेना के नैतिक बल को बढ़ाने, दुश्मनों को परास्त करने के लिए महत्वपूर्ण सूचनाएँ एकत्र करने आदि कार्यों के लिए सफल व्यक्तियों को चुनकर सेना में भरती करने के लिए किया था।

II शीलगुण दृष्टिकोण (Trait approach) :—

कुछ मनोवैज्ञानिकों के ~~मत~~ मतानुसार व्यक्तित्व शीलगुणों का समूह या संगठन है। (Personality is constellation of traits). अतः उनके अनुसार विभिन्न शीलगुणों को अलग-अलग मापकर किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व का पता लगाया जा सकता है। इस दृष्टिकोण को मानने वालों में कैटेल, ऑलपोर्ट, लेविन, आइजेंक आदि के नाम प्रमुख हैं।